

जनवरी, 2022 माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय एवं प्रमुख उपलब्धियां।

1. गोपशु और डेयरी विकास:

- i. विभाग ने डेयरी उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के लिए रोड मैप तैयार करने और विश्व बाजार में इसकी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए निर्यात हेतु रणनीति तैयार करने के लिए कार्यकारी समूह का गठन किया है।
- ii. समयबद्ध तरीके से परियोजना के कार्यान्वयन के ध्यानाकर्षण क्षेत्र और शब्दावली पर चर्चा करने के लिए अपर सचिव (सीडीडी) की अध्यक्षता में दिनांक 12.01.22 को "राष्ट्रीय डेयरी योजना चरण-II (एनडीपी-II)" पर विश्व बैंक के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

2. पशुधन स्वास्थ्य:

- i. हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्य में ग्लैंडर्स की घटना की पुष्टि होने पर, विभाग ने राज्यों को जू स्वच्छता उपाय अपनाने, रोग को आगे और फैलने से रोकने के लिए संक्रमित क्षेत्र से घोड़ों के आवागमन को मॉनीटर करने/प्रतिबंध करने के लिए सूचित किया।
- ii. विभाग ने "स्मार्ट" कृषि में शंघाई सहयोग संगठन सदस्य राज्यों के बीच विचार-विमर्श की अवधारणा और कृषि नवाचारों को शुरू करने पर डीएसी और एफडब्ल्यू को टिप्पणियां भेजी, जिसमें खाद्य और पोषकीय सुरक्षा की तुलना में जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के लिए जलवायु अनुकूल कृषि (पशुपालन नवाचार सहित) समेत और पादप क्षेत्र में कीटनाशकों/कीटाणुनाशकों के प्रभाव सहित पशुओं में एएमआर को ध्यान में रखते हुए पशु और पादप स्वास्थ्य क्षेत्र के बीच विचार-विमर्श और तकनीकी प्रदर्शन शामिल करना है।
- iii. विभाग ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ)/राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और इसकी मदों तथा सहायता के मानदंडों के तहत वसूली और पुनर्निर्माण सहायता पर दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने के लिए एनडीएमए को पशु श्रेणियों के संबंध में सिफारिशें भेजी है।
- iv. विभाग ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) को सूचित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को सूचित किया है, जिसमें बोवाईन के गोबर से कुशल बायो-गैस उत्पादन और ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए उपयोग करने हेतु प्रौद्योगिकियों के विकास और उसे बढ़ावा देने तथा पुनर्चक्रमण और मृदा प्रबंधन पर ध्यान देने के साथ जमीनी स्तर पर पर्यावरण अनुकूल पशु अपशिष्ट प्रबंधन और निस्तारण प्रौद्योगिकी का विकास शामिल है।
- v. विभाग ने पशुचिकित्सा औषधीय उत्पादों (विनियमन (ईयू) 2019/6) से संबंधित नये पशुचिकित्सा विनियम के प्रशिक्षण और कार्यान्वयन के लिए अधिकारियों को नामित किया है, जो निर्देश

2001/82/प्रतिस्थापित करते हुए और विनियम 726/2004 को संशोधित करते हुए वर्ष 2022 के दौरान लागू होगा।

- vi. विभाग ने सितम्बर, 2022 में चीन में होने वाले आगामी 19वें एशियाई खेल में अश्व स्पर्धाओं में टीम के भागीदारी को ध्यान में रखते हुए, रिमाउंट और पशुचिकित्सा कोर (आरवीसी), मेरठ में अश्व रोग मुक्त जोन (ईडीएफजेड) को सक्रिय करने और संचालन के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
- vii. पूर्वोत्तर राज्यों में अफ्रीकन स्वाइन ज्वर के पुनः घटना की पुष्टि होने पर, सभी पूर्वोत्तर राज्यों को एक निश्चित समय सीमा में रोग के नियंत्रण और निवारण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के अनुसार जैव-सुरक्षा उपायों सहित तत्काल उपाय करने के लिए आवश्यक परामर्शी जारी की गई थी। राज्यों को संवेदनशील बनाने के लिए सभी पूर्वोत्तर राज्यों के पशुपालन विभागों के साथ एक वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) भी की गई थी।
- viii. जनवरी, 2022 माह के दौरान, लगभग 0.52 करोड़ पशुओं को ईयर-टैग किया गया और लगभग 1.52 करोड़ पशुओं का एफएमडी के लिए टीकाकरण किया गया। ब्रूसेलासिस के लिए भी टीकाकरण शुरू कर दिया गया है और अब तक 7.35 लाख पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है।

3. व्यापार/अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसी):

- i. दोनों देशों के बीच चल रहे द्विपक्षीय सहयोग और बाजार पहुंच के मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए सचिव, एएचडी और ब्रिटिश उच्चायोग में उप व्यापार आयुक्त सुश्री रियानोन हैरिस के बीच 19.01.2022 को एक बैठक आयोजित की गई ।

4. बजट:

वर्ष 2021-22 के लिए, जनवरी, 2022 तक 3053.75 करोड़ रुपये के संभावित संशोधित अनुमान (आरई) के मुकाबले व्यय 2428.32 करोड़ रुपए था। जनवरी, 2022 माह के दौरान पशुपालन एवं डेयरी विभाग का व्यय 50.51 करोड़ रुपए था।

5. सोशल मीडिया क्रियाकलाप

माह के दौरान, विभाग के ट्विटर पेज को 60,224 फॉलोवर्स द्वारा देखा गया। सोशल मीडिया क्रिया कलापों के तहत 163 रचनात्मक पोस्ट बनाए गए, 176 ट्वीट, और 1005 पुनः ट्वीट किये गये, 1 वीडियो और जीआईएफ बनाया गया। विभाग की फेसबुक पर 1,26,517 फॉलोवर्स थे। विभाग के कू एकाउंट पर 41,000 फॉलोवर्स थे। जनवरी 2022 के अंत तक, लिंकडइन पर 467 फॉलोवर्स थे। जनवरी, 2022 के अंत तक इंस्टाग्राम पर 423 फॉलोवर्स थे।
